P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-9* ISSUE-2* October- 2021
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

माध्यमिक विद्यालयी स्तर पर आवश्यक उपलब्ध संसाधनों का अध्ययन करना

To study the Resources Available at the Secondary School level

Paper Submission: 10/10/2021, Date of Acceptance: 23/10/2021, Date of Publication: 24/10//2021

रामराज सिंह
शोधार्थी,
शिक्षा विभाग, (बिड़ला परिसर) हे०न०ब० गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय, श्रीनगर, गढवाल उतराखण्ड, भारत

रमा मैखुरी
विभागाध्यक्ष,
शिक्षा विभाग,
हे०न०ब० गढ़वाल केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
उतराखण्ड, भारत

माध्यामिक शिक्षा शिक्षा व्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण कड़ी के साथ बच्चों के बहुमुखी विकास के लिए अतिआवश्यक है। विद्यालयों में विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यत्मिक विकास के लिए विभिन्न संसाधनों का संयोजन आवश्यक है। विद्यालयों में भौतिक एवं मानवीय संसाधनों के उचित संयोजन से अच्छा शिक्षामय वातावरण बनता है, जिसके अन्तगर्त विद्यार्थी विद्यालय प्रागंण में प्रभावित होते है। तथा विद्यार्थियों के ज्ञानात्मक, भावात्मक क्रियात्मक विकास के साथ शारीरिक विकास भी प्रभावित होता है। जहाँ यह विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु छात्रों को तैयार करती है। प्रस्तुत शोध का उद्देश्य माध्यमिक विद्यालयी स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का अध्ययन करना है। प्रस्तुत शोध में माध्यमिक स्तर के 30 विद्यालयों का चयन (12 राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेज तथा 18 राजकीय इण्टर कॉलेजों) का चयन यादृच्छिक विधि से किया गया है। प्रद्तों के संकलन हेतु विद्यालयों में शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण जानने के लिए विद्यालय में उपलब्ध रिकॉड का सहारा लिया गया। अन्य आवश्यक भौतिक संसाधनों की जानकारी के लिए विद्यालय के कार्यालय में उपलब्ध रिकॉड, स्वयं अवलोकन, विद्यार्थियों सें पूछताछ तथा शोधर्थी स्व निर्मित की गयी अनुसूची का प्रयोग किया गया। प्रद्त्तो के विश्लेष्ण के लिए कुल योग, मध्यमान (औसतमान) प्रतिशत का प्रयोग किया गया है आकंड़ो के संग्रहण एवं विवेचन के पश्चात निष्कर्ष प्राप्त हुए है कि रा0इ0 कॉलेजों की अपेक्षा रा0आ0इ0 कॉलेजों में अधिकतर पदों पर शिक्षक कार्यारत है, दोनों प्रकार विद्यालयों में चपरासियों के अधिकतर पद खाली है, विद्यालयों में सफाई कर्मियों के अधिकतर पद खाली है जिससे अधिकतर विद्यालयों में साफ सफाई नहीं हो पाती है। अधितकतर विद्यालयों में पुस्तकालय अलग से नहीं है पुस्तकालय अधिकतर शिक्षकों के स्टाफ रुम में है। विज्ञान प्रयोग हेतु प्रयोगशालाओं में उपकरण नहीं है। विद्यालयों में अधिकतर कम्प्यूटर खराब अवस्था में है। अधिकतर विद्यालयों में एवं विद्यालयों के कक्षा कक्ष में स्वच्छता नहीं पायी गयी है जिसका प्रमुख कारण विद्यालयों में सफाई कर्मियों का रिक्त होना पाया गया है। जिन विद्यालयों में बालक बालिकाओं के लिए अलग अलग शौचालय नहीं है उनमें कॉमन शौचालय का प्रयोग किया जाता है।

Secondary education is an important link in the development of the education system as well as essential for the all-round development of the children. For the physical, mental and spiritual development of the students in schools, it is necessary to combine various resources. A good educational environment is created in schools by the proper combination of physical and human resources, under which students are affected in the school premises. And along with the cognitive, affective and functional development of the students, physical development is also affected. Where it prepares students for various courses. The purpose of the present research is to study the resources available at the secondary school level. In the present research, 30 schools at the secondary level (12 Government Adarsh Inter Colleges and 18 Government Inter Colleges) have been selected randomly. For the compilation of the data, the records available in the school were used to know the details of the academic and non-teaching staff in the schools. For information about other necessary physical resources, records available in the school's office, self-observation, students' inquiry and researcher's self-made schedule were used. Total sum, mean (average) percentage has been used for the analysis of the data. After collection and analysis of the data, it has been concluded that teachers are employed in most of the posts in RIE colleges than in RIE colleges, both types of peons in schools. Most of the posts are vacant, most of the posts of sanitation workers in schools are vacant, due to which cleanliness is not done in most of the schools. Most of the schools do not have a separate library. The library is mostly in the staff room of the teachers. Laboratories do not have equipment for science experiments. Most of the computers in the schools are in poor condition.

Cleanliness has not been found in most of the schools and in the classrooms of the schools, mainly due to the vacancy of sanitation workers in the schools. Common toilets are used in schools which do not have separate toilets for boys and girls.

मुख्य शब्दः माध्यमिक शिक्षा, मानवीय संसाधन, भौतिक संसाधन एवं विद्यालय वातावरण ।

Key words: Secondary Education, Human Resources, Physical Resources And School Environment.

प्रस्तावना

शिक्षा का प्रारम्भ कैसे हुआ, क्यो हुआ, इसका निश्चित प्रमाण नहीं है, प्राक् ऐतिहासिक काल में मानव जंगली जीवन जीता था, किन्तु पत्थरों और अपने आवास के स्थानें पर पशुओं और पक्षियों की सुन्दर आकृति और चित्र बनाता थे, और चित्र शैली में कुछ लेख भी लिखता था, जिन्हें अभी तक पढ़ा नहीं गया है, जिससे प्रतीत होता है कि उस समय भी मानव किसी विशेष उद्देश्य से प्रेरित थे, जिसे एक प्रकार से व्यवस्थित सीखना ही कहा जा सकता है। वैदिक काल में शिक्षा प्रदान करने वाली संस्थायें मन्दिर, धार्मिक स्थल तथा गुरुकुल होते थे, बौद्ध काल में विहार और मठ तथा मुस्लिम काल में मकतब और मदरसे, और आधुनिक काल में इन संस्थों का स्थान भौतिक सुख सुविधाओं से सम्पन्न विद्यालयों और कॉलेजों ने ले लिया है। माध्यामिक शिक्षा शिक्षा व्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण कड़ी के साथ बच्चों के बहुमुखी विकास के लिए अतिआवश्यक है। विद्यालयों में विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यत्मिक विकास के लिए विभिन्न संसाधनों का संयोजन आवश्यक है।

विद्यालयों में भौतिक एवं मानवीय संसाधनों के उचित संयोजन से अच्छा शिक्षामय वातावरण बनता है, जिसके अन्तगर्त विद्यार्थी विद्यालय प्रागंण में प्रभावित होते है। तथा विद्यार्थियों के ज्ञानात्मक, भावात्मक क्रियात्मक विकास के साथ शारीरिक विकास को प्रभावित करते है। विद्याालय में मानवीय संसाधनों में शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक दोनों प्रकार के कर्मचारियों और विद्यालय से सम्बन्धित विभिन्न समितियों के सदस्य भी आते है। विद्यालय में सभी प्रकार के मानवीय और भौतिक संसाधनों की उपलब्धता तथा शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के आपसी समन्वय पर पर विद्यालय की उन्नति निर्भर करती है। विद्यालयों में मानवीय संसाधनों में अध्यापक-अध्यापकों, छात्र-अध्यापकों, तथा छात्र-छात्रों के मध्य आपसी सहयोगात्मक सम्बन्ध आवश्यक है।

भौतिक संसाधनों में सर्वप्रथम विद्यालय भवन आता है जो सुन्दर तथा आकर्षक लगने वाला हो, विभिन्न विषयों की प्रयोगशालायें जिनमें विद्यार्थी विभिन्न प्रकार का प्रयोग करके अपने सीखे हुए सैद्धान्तिक ज्ञान को व्यावहारिक ज्ञान में बदल सकते है, और विद्यार्थियों को स्वयं सीखने के लिए उचित पर्यावरण प्रदान किया जा सकता है। विद्यालय में छात्रों और अध्यापकों में ज्ञान की वृद्वि एवं निरन्तरता बनायें रखने के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त पुस्तकालय, विद्यार्थियों में मानसिक विकास के साथ शारीरिक विकास और अच्छा स्वास्थ्य के लिए विद्यालय में अनेकों शारीरिक क्रियायें जिनमें विभिन्न प्रकार के व्यायाम, योगाभ्यास और खेलकूद आवश्य है जिसके लिए विद्यालय में खेल सामग्री और छात्र संख्या के अनुपात में खेल के मैदान की आवश्यकता होती है। अन्य भौतिक संसाधनों में विद्यार्थियों के लिए हवादार कमरे, बैठने के लिए प्रयाप्त स्थान, फर्नीचर, स्वच्छ पेयजल, आवश्यक शैक्षिक उपकरण श्यामपट्ट, मानचित्र, चार्ट मॉडल विज्ञान शिक्षण हेतु उपकरण एवं उनके रखरखाव की व्यवस्था आवश्यक है। विद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय हो और शौचालयों में साफ सफाई की व्यवस्था भी हो और विद्यालय में स्वच्छता से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगितायें, लेख, पोस्टर और प्रोजेक्ट कार्य विद्यार्थयों से करवाये जाए। जिससे विद्यार्थयों में स्वच्छता के प्रति जागरुक किया जा सके और विभिन्न बीमारियों से भी बचा जा।

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन

यादव, एस0के0 (2003), ने अपने शोध पत्र में स्कूली शिक्षा की गुणवता में सुधार हेतु अध्यापकों में सक्षमता, ज्ञान, कौशल सेवाकालीन तथा सेवापूर्व प्रशिक्षण तथा विद्यालय में शिक्षण अधिगम सामग्री, शैक्षिक तकनीकी तथा अनुकूल शैक्षिक वातावरण को आवश्यक बताया है।

अग्रवाल, श्वेता (2015), ने अपने शोध के निष्कर्ष स्वरुप पाया है कि अनुदान विहीन विद्यालयों का संगठनात्मक वातावरण राजकीय विद्यालयों के संगठनात्मक वातावरण की अपेक्षा निम्न स्तर का है।

टालवॉट लौरेन, (2016), ने प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की परीक्षा चिन्ता तथा बाधा का अध्ययन किया। निष्कर्ष स्वरुप पाया कि विद्याथिर्यों में परीक्षा चिन्ता के कारणों में मनोवैज्ञानिक व भौतिक दोनों प्रकार के कारण शामिल होते है, जो छात्रों के मानसिक स्वस्थ्य एवं शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करते रहते है।

शर्मिला, सतार अब्दुल, सालोमन सविता, (2020), ने एकल एवं सहशिक्षा विद्यालयों के शालेय वातावरण का विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया। कलिंग विश्वविद्यालय में अध्ययन के उद्देश्य थे एकल विद्यालयों एवं सह शिक्षा विद्यालयों के शालेय वातावरण का विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना, निष्कर्ष के रुप में पाया गया है कि एकल एवं सह शिक्षा विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के विद्यालय वातावरण एवं आकांक्षा स्तर के मध्य धनात्मक सहसम्बन्ध है, अर्थात विद्यालय वातावरण एवं आकांक्षा स्तर के मध्य में महत्वपूर्ण सम्बन्ध व्याप्त है।

अध्ययन की आवश्यकता

विद्यालय में मानवीय एवं भौतिक संसाधनों का संयोग वह कारक है जिस पर विद्यालय की शैक्षिक परिणाम निर्भर करता है। विद्यालय में अच्छे आवश्यक भौतिक संसाधन एवं मानवीय संसाधन तथा सम्बन्ध निर्धारित करते है कि विद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का भविष्य किस ओर अग्रसर होगा । विद्यालय में सीखने से सम्बन्धित सभी प्रकार के संसाधन उपलब्ध होने पर विद्यार्थियों के मानसिकता पर सकारात्मक प्रभाब पड़ेगा और विद्यार्थी सीखने के लिए प्रेरित होगे, इसके विपरीत आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं होने पर विद्यार्थियों की मानसिकता पर नकारात्मक प्रभाब पड़ेगा। शोधकर्ता इस ओर आकर्षित हुआ कि अलग अलग प्रकार के विद्यालयों में भौतिक संसाधनों एवं मानवीय संसाधनों की वास्तविक स्थिति क्या है ? विद्यालयों में आवश्यक भौतिक संसाधन और शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की उपलब्धता विद्यालयों में उनकी आवश्यकतानुसार है ?। है तो कितनी मात्रा में है।

अध्ययन का उद्देश्य

1. माध्यमिक स्तर पर राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेजों एवं राजकीय इण्टर कॉलेजों में शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की उपलब्धता का अध्ययन करना।
2. माध्यमिक स्तर पर राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेजों एवं राजकीय इण्टर कॉलेजों में उपलब्ध आवश्यक संसाधनों का अध्ययन करना।
3. माध्यमिक स्तर पर राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेजों एवं राजकीय इण्टर कॉलेजों में विद्यालयी स्तर पर साफ सफाई का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिसीमाएं

प्रस्तुत शोध को उतराखण्ड़ राज्य में उतरकाशी जनपद के माध्यमिक स्तर पर राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेजों एवं राजकीय इण्टर कॉलेजों तक सीमित किया गया है।

जनसंख्या एवं न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श के रुप में जनपद उतरकाशी के सभी विकासखण्डों से 5-5 विद्यालयों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया जिनमें से. राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेजों से कक्षा 12 के 313, तथा राजकीय इण्टर कॉलेजों से कक्षा 12 के 334 छात्र एवं छात्राओं को सम्मिलित किया गया है।

प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत शोध में विद्यालयों में शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण जानने के लिए विद्यालय में उपलब्ध रिकॉड का सहारा लिया गया। अन्य आवश्यक भौतिक संसाधनों की जानकारी के लिए विद्यालय के कार्यालय में उपलब्ध रिकॉड, स्वयं अवलोकन, विद्यार्थियों सें पूछताछ करके, शोधर्थी द्वार निर्मित की गयी अनुसूची में माध्यम से किया गया।

अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध में ऑकड़ों के विश्लेषण के लिए कुल योग, मध्यमान (औसत मान) एवं प्रतिशत मान का प्रयोग किया गया है।

परिणामों की व्याख्या

माध्यमिक स्तर पर राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेजों एवं राजकीय इण्टर कॉलेजों में शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की उपलब्धता का अध्ययन करना।

शोध उद्देश्य -1

राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेजों एवं राजकीय इण्टर कॉलेजों में शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के स्वीकृत, नियुक्त तथा रिक्त पदों का विवरण कुल संख्या, प्रतिशत और औसत में।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-9* ISSUE-2* October- 2021
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

सारणी संख्या-01

राजकीय इण्टर कॉलेजों में शैक्षणिक एवं तैर शैक्षणिक कर्मचारियों की सूची	रा0आ0इ0 कॉलेजों में शैक्षणिक एवं तैर शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण विद्यालयों की संख्या–12			रा0इ0 कॉलेजों में शैक्षणिक एवं तैर शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण विद्यालयों की संख्या–58			रा0आ0इ0कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में शैक्षणिक एवं तैर शैक्षणिक कर्मचारियों का विवरण विद्यालयों की संख्या–70		
	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
शिक्षक	267 (100%) 22	215 (81%) 18	51 (19%) 4	366 (100%) 20	268 (73%) 15	92 (27%) 5	632 (100%) 21	483 (76%) 16	143 (24%) 5
अतिथि शिक्षक		26 2			41 2			67 2	
क्लर्क	28 (100%) 3	20 (71) 2	8 (29%) 1	42 (100%)3	30 (71%) 2	12 (29%) 1	70 (100%) 3	50 (71%) 2	20 (29%) 2
चपरासी	60 (100%) 5	40 (67%) 3	20 (33%) 2	81 (100%) 5	45 (55%) 3	36 (45%) 2	141 (100%) 5	85 (60%) 3	56 (40%) 2
सफाई कर्मी	12 (100%) 1	7 (58%) .58	5 (42%) .42	18 (100%) 1	7 (38%) .38	11 (62%) .62	30 (100%) 1	14 (46%) .46	16 (54%) .54
लैब सहायक	12 (100%) 1	10 (83%) .83	2 (17%) .17	18 (100%) 1	15 (83%) .83	3 (17%) .17	30 (100%) 1	25 (83%) .83	5 (17%) .17

सारणी संख्या 1 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि-

1. रा0आ0इ0 कॉलेजों में शिक्षकों के नियुक्त पद 81: प्रतिशत रिक्त पद 19 प्रतिशत है तथा रा0इ0 कॉलेजों में नियुक्त पद 73: प्रतिशत, रिक्त पद 27 प्रतिशत है। रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में नियुक्त पद 76 प्रतिशत रिक्त पद 24 प्रतिशत है। दोनों प्रकार के विद्यालयों में अधिकतर पदों पर शिक्षक कार्यारत है, रा0इ0 कॉलेजों की अपेक्षा रा0आ0इ0 कॉलेजों में अधिकतर पदों पर शिक्षक कार्यारत है और खाली पद कम है। इन दोनों प्रकार के विद्यालयों में 26 अतिथि शिक्षक राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेजों में, 41 राजकीय इण्टर कॉलेजों में कार्यारत है।
2. रा0आ0इ0 कॉलेजों राजकीय में क्लर्को के नियुक्त पद 71 प्रतिशत, रिक्त पद 29 प्रतिशत है, तथा रा0इ0 कॉलेजों में नियुक्त पद 71 प्रतिशत, रिक्त पद 29 प्रतिशत है। रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में नियुक्त पद 71 प्रतिशत, रिक्त पद 29 प्रतिशत है। दोनों प्रकार के विद्यालयों में क्लर्क के अधिकतर पदों पर नियुक्तियां समान रुप से हो रखी है, और रिक्त पद भी दोनों प्रकार के विद्यालयों में समान रुप में है।
3. रा0आ0इ0 कॉलेजों नियुक्त पद 67 प्रतिशत, रिक्त पद 33 प्रतिशत है, रा0इ0 कॉलेजों तथा कॉलेजों में नियुक्त पद 55 प्रतिशत, रिक्त पद 45 प्रतिशत है। रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में नियुक्त पद 60 प्रतिशत, रिक्त पद 40 प्रतिशत है। दोनों प्रकार विद्यालयों में चपरासियों के अधिकतर पद खाली है।
4. रा0आ0इ0 कॉलेजों नियुक्त पद 58 प्रतिशत, रिक्त पद 42 प्रतिशत है, रा0इ0 कॉलेजों तथा नियुक्त पद 38 प्रतिशत, रिक्त पद 62 प्रतिशत है। रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में नियुक्त पद 46 प्रतिशत, रिक्त पद 54 प्रतिशत है। दोनों प्रकार विद्यालयों में सफाई कर्मियों के अधिकतर पद खाली है जिससे अधिकतर विद्यालयों में सफाई नहीं पायी गयी।
5. रा0आ0इ0 कॉलेजों नियुक्त पद 83 प्रतिशत, रिक्त पद 17 प्रतिशत है, रा0इ0 कॉलेजों तथा नियुक्त पद 83 प्रतिशत, रिक्त 17 प्रतिशत है। रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में नियुक्त पद 83 प्रतिशत, रिक्त पद 17 प्रतिशत है। दोनों प्रकार विद्यालयों में अधिकतर पदों पर लैब सहायक कार्यारत है।

उद्देश्य 2- माध्यमिक स्तर पर राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेजों एवं राजकीय इण्टर कॉलेजों में उपलब्ध आवश्यक संसाधनों का अध्ययन करना।

राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेजों एवं राजकीय इण्टर कॉलेजों में उपलब्ध आवश्यक संसाधनों एवं सेवाओं का विवरण कुल उपलब्ध आवश्यक संसाधनों एवं उनके प्रतिशत में।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-9* ISSUE-2* October- 2021
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

सारणी संख्या-02.

राजकीय इण्टर कॉलेजो में उपलब्ध आवश्यक संसाधनों की सूची	रा0आ0इ0 कॉलेजो में उपलब्ध आवश्यक संसाधन विद्यालयों की संख्या–12		रा0इ0 कॉलेजो में उपलब्ध आवश्यक संसाधन विद्यालयों की संख्या–18		रा0आ0इ0कॉलेजो एवं रा0इ0 कॉलेजो में उपलब्ध आवश्यक संसाधन विद्यालयों की संख्या–30	
	उपलब्धता है (प्रतिशत में)	उपलब्धता नहीं है (प्रतिशत में)	उपलब्धता है (प्रतिशत में)	उपलब्धता नहीं (प्रतिशत में)	उपलब्धता है (प्रतिशत में)	उपलब्धता नहीं (प्रतिशत में)
पुस्तकालय	10 (83%)	2 (17%)	9 (50%)	9 (50%)	19 (63%)	11 (37%)
वाचनालय	4 (33%)	8 (67%)	3 (16%)	15 (84%)	7 (23%)	23`(77%)
पुस्तके घर के लिए मिलती है	8 (67%)	4 (33%)	5 (28%)	13 (72%)	13 (42%)	17 (58%)
विद्यार्थी पुस्तकालय में पुस्तके पढ़ते है।	2(17%)	10 (83%)	2 (11%)	16 (89%)	4 (13%)	26 (87%)
विज्ञान प्रयोगशाला कक्षा 10 तक	12 (100%)	00 (0%)	15 (83%)	3 (17%)	27 (90%)	3 (10%)
विज्ञान प्रयोगशाला कक्षा 12 तक	6 (50%)	6 (50%)	6 (33%)	12 (67%)	12 (40%)	18 (60%)
उपकरण	6 (50%)	6 (50%)	5 (28%)	13 (72%)	11 (37%)	19 (63%)
कम्प्यूटर लैब	9 (75%)	3 (25%)	8 (44%)	12 (56%)	17 (56%)	13 (44%)
कम्प्यूटरों की संख्या	154 (100%) 13	102 (67%) 9	162 (100%) 9	121(75%) 7	316 (100%) 11	223 (71%) 7
कम्प्यूटर कक्षायें चलती है।	6 (50%)	6 (50%)	5 (28%)	13 (72%)	11 (36%)	19 (64%)
वर्चुअल कक्षायें	6 (50%)	6 (50%)	5 (28%)	13 (72%)	11 (36%)	19 (64%)
विद्युत व्यवस्था	12 (100%)	00 (0%)	18 (100%)	00 (0%)	30 (100%)	00 (0%)
ब्लैक बोर्ड	12 (100%)	00 (0%)	14 (78%)	4 (22%)	26 (87%)	4 (13%)
कक्षा कक्ष	12 (100%)	00 (0%)	16 (89%)	2 (11%)	28 (93%)	2 (7%)
बैठने की व्यवस्था	12 (100%)	00 (0%)	11 (61%)	7 (39%)	19 (76%)	11 (24%)
खेल का मैदान	11 (91%)	1 (9%)	11 (61%)	7 (39%)	18 (73%)	12 (27%)
निर्देशन एवं परामर्श सेवायें	7 (58%)	5 (42%)	3 (17%)	15 (83%)	10 (33%)	20 (67%)

छत्र 30 ;12 राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेज तथा 18 राजकीयइण्टर कॉलेज द्व

नोट- सारणी में कम्प्यूटरों की कुल संख्या, प्रतिशत एवं औसतन कितने कम्प्यूटर है और औसतन कितने चालू अवस्था में है।

सारणी संख्या 2 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि-

1. रा0आ0इ0 कॉलेजों में आवश्यक संसाधनों के अर्न्तगत पुस्तकालय 83 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध है, तथा रा0इ0 कॉलेजों में पुस्तकालय 50 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध है। रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में पुस्तकालय 63 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध है।
2. रा0आ0इ0 कॉलेजों में वाचनालय 33 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध है तथा रा0इ0 कॉलेजों में वाचनालय केवल 16 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध है। रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में पुस्तकालय 23 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध है। अधिकतर रा0आ0इ0 कॉलेजों में पुस्तकालय है, तथा रा0इ0 कॉलेजों में पुस्तकालय नहीं है। दोनों प्रकार के विद्यालयों में पुस्तकालय अलग से नहीं है जो है वह अधिकतर शिक्षकों के स्टाफ रुम में है।
3. रा0आ0इ0 कॉलेजों में विद्यार्थियों को पुस्तकालय से पुस्तके घर में पढ़ने के लिए मिलती है 64 प्रतिशत विद्यालयों में, तथा रा0इ0 कॉलेजों में 27 प्रतिशत विद्यालयों में मिलती है। रा0आ0इ0 इण्टर कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में 41 प्रतिशत विद्यालयों में विद्यार्थियों को पुस्तकालय से पुस्तके घर में पढ़ने के लिए मिलती है। दोनों प्रकार के अधिकतर विद्यालयों में विद्यार्थी खाली समय में पुस्तकालय या वाचनालय में पुस्तके नहीं पढ़ते है जिसका कारण है विद्यालय में अलग से पुस्तकालय व वाचनालय का नहीं होना है।
4. रा0आ0इ0 कॉलेजों में कक्षा 10 वीं तक विज्ञान प्रयोग हेतु प्रयोगशाला है सभी विद्यालयों में उपलब्ध है, कक्षा 12 वीं तक 50 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध है। कक्षा 12 वीं तक विज्ञान प्रयोगशाला में प्रयोग हेतु उपकरण 50 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध है। रा0आ0इ0 कॉलेजों में कक्षा 10 वीं तक विज्ञान प्रयोग हेतु प्रयोगशाला है 83 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध है। कक्षा 12 वीं तक 33 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध है। रा0इ0 कॉलेजों 12 वीं तक विज्ञान प्रयोगशाला में प्रयोग हेतु उपकरण भी 28 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध है। राजकीय रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में कक्षा 10 वीं तक विज्ञान प्रयोग हेतु प्रयोगशाला 90 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध है। कक्षा 12 वीं तक विज्ञान प्रयोगशाला 40 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध है। 12 वीं तक विज्ञान प्रयोगशाला में प्रयोग हेतु उपकरण भी 37 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध है। विज्ञान प्रयोग हेतु उपकरण नहीं के कारण कक्षा 12 वीं तक अधिकतर विद्यालयों में विज्ञान प्रयोग कक्षा 10वीं तक की विज्ञान प्रयोगशाला में किये जाते है या विद्यार्थी प्रयोग करने से वंचित रह जाते है।
5. रा0आ0इ0 कॉलेजों में कम्प्यूटर लैब 75 प्रतिशत विद्यालयों में है, तथा 50 प्रतिशत विद्यालयों कम्प्यूटर कक्षा चलती है। विद्यालयों में उपलब्ध कुल कम्प्यूटरों में चालू

अवस्था में 67 प्रतिशत कम्प्यूटर ही है। तथा रा0इ0 कॉलेजों में कम्प्यूटर लैब 44 प्रतिशत विद्यालयों में है तथा 27 प्रतिशत विद्यालयों में कम्प्यूटर कक्षा चलती है, विद्यालयों उपलब्ध कुल कम्प्यूटर में चालू अवस्था में 75 प्रतिशत ही है। रा0आ0इ0 कॉलेजो एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में कम्प्यूटर लैब 56 प्रतिशत विद्यालयों में है, कम्प्यूटर कक्षा 36 प्रतिशत विद्यालयों में चलती है तथा उपलब्ध कुल कम्प्यूटर में चालू अवस्था में 71 प्रतिशत ही है। दोनों प्रकार के विद्यालयों में अधिकतर कम्प्यूटर खराब अवस्था में है, जो चालू अवस्था में है वह कार्यालयों में प्रयोग किये जा रहे है, जिससे कम्प्यूटर लैब के लिए औसतन 4 से 5 कम्प्यूटर है।

6. रा0आ0इ0 कॉलेजों में वर्चूअल कक्षायें 50 प्रतिशत विद्यालयों में चलती है, तथा रा0इ0कॉलेजों में केवल 28 प्रतिशत विद्यालयों में वर्चूअल कक्षायें चलती है। रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में 36 प्रतिशत विद्यालयों में वर्चूअल कक्षायें चलती है। अधिकतर विद्यालयों में वर्चूअल कक्षायें नहीं चल रही है, जिससे दुर्गम क्षेत्र के विद्यालयों के विद्यार्थियों को और विषय अध्यापकों की कमी वाले विद्यालयों के विद्यार्थियों को ऑनलाइन की शिक्षा का लाभ नहीं मिल रहा है।
7. रा0आ0इ0 कॉलेजों में सभी कक्षाओं के लिए सुविधायुक्त ब्लैक बोर्ड उपलब्ध है तथा राजकीय इण्टर कॉलेजों में 77 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध है। रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में 86 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध है।
8. रा0आ0इ0 कॉलेजों में कक्षानुसार कक्षा कक्ष एवं विद्यार्थियों के लिए बैठने की उचित व्यावस्था सभी विद्यालयों में उपलब्ध है, तथा रा0इ0कॉलेजों में 88 प्रतिशत विद्यालयों में कक्षानुसार कक्षा कक्ष तथा 64 प्रतिशत विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था है। रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में 93 प्रतिशत विद्यालयों में कक्षानुसार कक्षा कक्ष प्रयाप्त है तथा 76 प्रतिशत विद्यालयों विद्यार्थियों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था है। अधिकतर विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए कक्षानुसार कक्षा कक्ष एवं बैठने की उचित व्यवस्था है लेकिन कुछ विद्यालयों में आवश्यकतानुसार कक्षा कक्ष और विद्यार्थियों के बैठने लिए कुर्सी मेज प्रयाप्त मात्रा में उपलबध नहीं है।
9. रा0आ0इ0 कॉलेजों में खेल का मैदान तथा खेल समाग्री 91 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध है तथा राजकीय इण्टर कॉलेजों में 61 प्रतिशत विद्यालयों उपलब्ध है। रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में 73 प्रतिशत विद्यालयों में प्रयाप्त रुप से उपलब्ध है। रा0इ0 कॉलेजों में अधिकतर विद्यालयों के पास छात्र संख्या के अनुसार खेल का मैदान और खेल सामग्री उपलब्ध नहीं है।
10. रा0आ0इ0 कॉलेजों में निर्देशन एवं परामर्श सेवायें प्रदान की जाती है 58 प्रतिशत विद्यालयों में, तथा रा0आ0इ0 कॉलेजों में केवल 17 प्रतिशत विद्यालयों प्रदान की जाती है। रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में 33 प्रतिशत विद्यालयों में निर्देशन एवं परामर्श सेवायें प्रदान की जाती है। दोनों प्रकार के विद्यालयों में निर्देशन एवं परामर्श सेवायें की व्यवस्था बहुत कम विद्यालयों में प्रदान की जाती है, जिससे विद्यार्थियों को भविष्य हेतु पाठ्यक्रम और व्यवसायिक विषयों को चुनने में बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

उद्देश्य-3

माध्यमिक स्तर पर राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेजों एवं राजकीय इण्टर कॉलेजों में विद्यालयी स्तर पर साफ सफाई का अध्ययन करना।

राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेजों एवं राजकीय इण्टर कॉलेजों में स्वच्छ पेयजल, साफ सफाई एवं छात्र-छात्राओं के लिए अलग अलग शौचालय की उपलब्धता का विवरण प्रतिशत में।

सारणी संख्या-3

स्वच्छ पेयजल, साफ सफाई एवं शौचालय की उपलब्धता	रा0आ0इ0 कॉलेजों में साफ सफाई विद्यालयों की संख्या–12		रा0इ0 कॉलेजों में साफ सफाई विद्यालयों की संख्या–18		रा0आ0इ0 कॉलेज एवं रा0इ0 कॉलेजों में साफ सफाई विद्यालयों की संख्या–30	
	उपलब्धता है (प्रतिषत में)	उपलब्धता नहीं है (प्रतिषत में)	उपलब्धता है (प्रतिषत में)	उपलब्धता नहीं है (प्रतिषत में)	उपलब्धता है (प्रतिषत में)	उपलब्धता नहीं है (प्रतिषत में)
स्वच्छ पेयजल	12 (100%)	00 (00%)	13 (72%)	5 (28%)	25 (83%)	5 (17%)
सफाई व्यवस्था (स्वच्छता)	6 (50%)	6 (50%)	7 (38%)	11 (62%)	13 (43%)	17 (57%)
डस्टबिन	5 (41%)	7 (59%)	6 (33%)	12 (67%)	11 (36%)	19 (64%)
स्टाप शौचालय	12 (100%)	00 (00%)	18 (100%)	00 (00%)	30 (100%)	00 (00%)
बालक शौचालय	12 (100%)	00 (00%)	15 (83%)	3 (17%)	27 (90%)	3 (10%)
बालिका शौचालय	12 (100%)	00 (00%)	13 (72%)	5 (28%)	25 (83%)	5 (17%)
शौचालय में सफाई	4 (33%)	8 (67%)	3 (17%)	15 (83%)	7 (23%)	23 (77%)
शौचालय में पानी व्यवस्था	9 (75%)	3 (25%)	8 (44%)	17 (56%)	17 (56%)	13 (44%)

N= 30 (12 राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेज तथा 18 राजकीय इण्टरकॉलेज)

सारणी संख्या 3 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि-

1. रा0आ0इ0 कॉलेजों में विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल की प्रबन्धन सभी विद्यालयों में उपलब्ध है, तथा रा0आ0इ0 कॉलेजों में 72 प्रतिशत विद्यालयों उपलब्ध है। रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में 83 प्रतिशत विद्यालयों में उचित प्रबन्धन है। दोनों प्रकार के विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए अधिकतर विद्यालयों में पीने के पानी की उचित व्यवस्था है।
2. रा0आ0इ0 कॉलेजों में स्वच्छता 50 प्रतिशत पायी गयी तथा 41 प्रतिशत विद्यालयों में डस्टबिन है। रा0इ0 कॉलेजों में स्वच्छता 38 प्रतिशत पायी गयी है तथा 33 प्रतिशत विद्यालयों में डस्टबिन है। रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में स्वच्छता 43 पायी गयी तथा 36 प्रतिशत विद्यालयों में डस्टबिन भी प्रयाप्त मात्रा में है। अधिकतर विद्यालयों में एवं विद्यालयों के कक्षा कक्ष में स्वच्छता नहीं पायी गयी है जिसका प्रमुख कारण विद्यालयों में सफाई कर्मियों का रिक्त होना पाया गया है।
3. रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं राजकीय इण्टर कॉलेजों में स्टाफ शौचालय सभी विद्यालयों में है। रा0आ0इ0 कॉलेजों बालक तथा बालिकाओं के लिए अलग अलग शौचालय की व्यावस्था है, राजकीय इण्टर कॉलेजों में 83 प्रतिशत विद्यालयों में बालकों के लिए अलग शौचालय उपलब्ध है, तथा बालिकाओं के लिए 72 प्रतिशत विद्यालयों में अलग शौचालय उपलब्ध है। रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में 90 प्रतिशत विद्यालयों बालकों के लिए अलग शौचालय की व्यावस्था है, तथा 83 प्रतिशत विद्यालयों बालिकाओं के लिए अलग शौचालय की व्यावस्था है। जिन विद्यालयों में बालक बालिकाओं के लिए अलग अलग शौचालय नहीं है उनमें कॉमन शौचालय का प्रयोग किया जाता है और कुछ विद्यालयों में विद्यार्थी विद्यालय से दूर जा कर खुले में शौच करते है।
4. रा0आ0इ0 कॉलेजों के शौचालयों में स्वच्छता 33 प्रतिशत विद्यालयों में पायी गयी है, तथा 75 प्रतिशत विद्यालयों के शौचालय में पानी की व्यावस्था है। राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेजों में शौचालयों में स्वच्छता 17 प्रतिशत विद्यालयों में पायी गयी है तथा 44 प्रतिशत विद्यालयों के शौचालय में पानी की व्यावस्था है। रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों के शौचालय में संयुक्त रुप में स्वच्छता 23 प्रतिशत पायी गयी है, तथा शौचालय में पानी की व्यवस्था 56 प्रतिशत विद्यालयों में है। रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों के अधिकतर शौचालयों मे साफ सफाई की नहीं पायी गयी और अधिकांश विद्यालयों के शौचालय प्रयोग करने की हालत में नहीं पाये गये जिसका मुख्य कारण विद्यालयों में सफाई कर्मियों के पद रिक्त होना पाया गया है।

निष्कर्ष

1. रा0इ0 कॉलेजों की अपेक्षा रा0आ0इ0 कॉलेजों में अधिकतर पदों पर शिक्षक कार्यारत है और खाली पद कम है। इन दोनों प्रकार के विद्यालयों में 26 अतिथि शिक्षक राजकीय आदर्श इण्टर कॉलेजों में, 41 राजकीय इण्टर कॉलेजों में कार्यारत है।
2. दोनों प्रकार के विद्यालयों में क्लर्क के अधिकतर पदों पर नियुक्तियां समान रुप से हो रखी है, और रिक्त पद भी दोनों प्रकार के विद्यालयों में समान रुप में है।
3. दोनों प्रकार विद्यालयों में चपरासियों के अधिकतर पद खाली है।
4. दोनों प्रकार विद्यालयों में सफाई कर्मियों के अधिकतर पद खाली है जिससे अधिकतर विद्यालयों में साफ सफाई नहीं पायी गयी।
5. दोनों प्रकार अधिकतर विद्यालयों में विज्ञान लैब सहायक कार्यारत है।
6. रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में पुस्तकालय 63 प्रतिशत विद्यालयों में उपलब्ध है।
7. दोनों प्रकार के विद्यालयों में पुस्तकालय अलग से नहीं है जो है विद्यालयों में पुस्तकालय अधिकतर शिक्षकों के स्टाफ रुम में है।
8. दोनों प्रकार के अधिकतर विद्यालयों में विद्यार्थी खाली समय में पुस्तकालय या वाचनालय में पुस्तके नहीं पढ़ते है जिसका कारण है विद्यालय में अलग से पुस्तकालय व वाचनालय का नहीं होना है।
9. विज्ञान प्रयोग हेतु उपकरण नहीं के कारण कक्षा 12 वीं तक अधिकतर विद्यालयों में विज्ञान प्रयोग कक्षा 10वीं तक की विज्ञान प्रयोगशाला में किये जाते है या विद्यार्थी प्रयोग करने से वंचित रह जाते है।
10. दोनों प्रकार के विद्यालयों में अधिकतर कम्प्यूटर खराब अवस्था में है, जो चालू अवस्था में है वह कार्यालयों में प्रयोग किये जा रहे है, जिससे कम्प्यूटर लैब के लिए औसतन 4 से 5 कम्प्यूटर है।

11. अधिकतर विद्यालयों में वर्चूअल कक्षायें नहीं चल रही है, जिससे दुर्गम क्षेत्र के विद्यालयों के विद्यार्थियों को और विषय अध्यापकों की कमी वाले विद्यालयों के विद्यार्थियों को ऑनलाइन की शिक्षा का लाभ नहीं मिल रहा है।
12. रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों में संयुक्त रुप में 86 प्रतिशत विद्यालयों में सुविधायुक्त ब्लैक बोर्ड उपलब्ध है।
13. अधिकतर विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए कक्षानुसार कक्षा कक्ष एवं बैठने की उचित व्यवस्था है लेकिन कुछ विद्यालयों में आवश्यकतानुसार कक्षा कक्ष और विद्यार्थियों के बैठने लिए कुर्सी मेज प्रयाप्त मात्रा में उपलबध नहीं है।
14. रा0इ0 कॉलेजों में अधिकतर विद्यालयों के पास छात्र संख्या के अनुसार खेल का मैदान और खेल सामग्री उपलब्ध नहीं है।
15. दोनों प्रकार के विद्यालयों में निर्देशन एवं परामर्श सेवायें की व्यवस्था बहुत कम विद्यालयों में प्रदान की जाती है, जिससे विद्यार्थियों को भविष्य हेतु पाठ्यक्रम और व्यवसायिक विषयों को चुनने में बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।
16. अधिकतर विद्यालयों में एवं विद्यालयों के कक्षा कक्ष में स्वच्छता नहीं पायी गयी है जिसका प्रमुख कारण विद्यालयों में सफाई कर्मियों का रिक्त होना पाया गया है।
17. जिन विद्यालयों में बालक बालिकाओं के लिए अलग अलग शौचालय नहीं है उनमें कॉमन शौचालय का प्रयोग किया जाता है और कुछ विद्यालयों में विद्यार्थी विद्यालय से दूर जा कर खुले में शौच करते है।
18. रा0आ0इ0 कॉलेजों एवं रा0इ0 कॉलेजों के अधिकतर शौचालयों मे साफ सफाई की नहीं पायी गयी और अधिकांश विद्यालयों के शौचालय प्रयोग करने की हालत में नहीं पाये गये जिसका मुख्य कारण विद्यालयों में सफाई कर्मियों के पद रिक्त होना पाया गया है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. *रिछारिया, ज्याति (2012), उच्च माध्यमिक विद्यालयों के गृह वातावरण, विद्यालय वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि का उनकी कैरियर के प्रति निर्णय क्षमता पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन, शोध ग्रन्थ शिक्षा विभाग, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी।*
2. *श्रीवास्तव, अभिषेक और श्रीवास्तव, आर0एन0 लाल (2019), विद्यालयी वातावरण का विद्यार्थियों की शैक्षिक चिन्ता पर प्रभाव, शोध पत्रिका छब्न्त्ज्ए श्रंद 2019 ;3द्ध पृ̄ष्ठ 0972.5636ए पेज 11-25*
3. *अग्रवाल, श्वेता (2015), उच्च माध्यमिक स्तर पर बालक एवं बालिकाओं के विद्यालय के संगठनात्मक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन, जर्नल ऑफ एज्यूकेशन साइकोलॉजी, जुलाई 2015।*
4. *रमन लाल, रमन विहारी, शर्मा (2009), भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्यायें, आर0 लाल बुक डिपो, मेरठ।*
5. *सिंह, अरुण कुमार (2013), मनोविज्ञान समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधयां, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली।*
6. *गुप्ता, एस0पी0 और गुप्ता, अलका (2013), भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्यायें, शारदा पुस्तक भवन, इलाहबाद।*
7. *भट्नागर, ए0बी0 और भट्नागर, मीनाक्षी (2009), अधिगमकर्ता का विकास एवं शिक्षण अधिगम प्रक्रिया, विनय रखेजा, आर0 लाल बुक डिपो निकट गवर्नमंट कॉलेज, मेरठ।*